

सोशल इंटरप्राइजेज फॉर गारबेज फ्री सर्टि पर नेशनल कॉन्क्लेव

चर्चा में क्यों?

3 मार्च, 2022 को भारत सरकार के आवास एवं नगरीय मामले मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोशल इंटरप्राइजेज फॉर गारबेज फ्री सर्टि पर नेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें देश के 20 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रमुख बंदि

- इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शविकुमार डहरिया ने बताया कि छत्तीसगढ़ में स्वच्छता को रोजगार से जोड़ा गया है। स्वच्छता के छत्तीसगढ़ मॉडल की सफलता का मूलमंत्र कचरा प्रसंस्करण को आजीविका से जोड़ना रहा है। इससे छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ बनाने में सफलता मिली है।
- उन्होंने बताया कि इसके लिये राज्य सरकार ने 'नरवा गरवा घुरवा बारी' से स्वच्छता को जोड़ा, सगिल यूज प्लास्टिक बैन पर जोर दिया तथा 6 आर पॉलिसी-रीथिक, रयिज़, रसिाइकलि, रपियर, रडियूस, रफियूज के आधार पर काम किया, जिससे नए अपशष्टि बनने की मात्रा कम होने लगी।
- बसतयिों में सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय बनाए, जिसमें लोगों ने अपना पूरा सहयोग दिया। मानव मल प्रबंधन के लिये स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए, जहाँ सीवर का पानी ट्रीट होता है।
- 10 हजार से अधिक स्वच्छता दीदयिों ने राज्य के हर एक नागरिक को स्वच्छता के लिये प्रोत्साहति किया। लोगों को जागरूक करने के लिये इन दीदयिों ने डोर-टू-डोर जाकर गीला-सूखा कचरा अलग रखने के लिये प्रशिक्षण दिया और लोगों में स्वच्छता को एक आदत का रूप देने में बड़ी तन्मयता से अपनी भूमिका नभाई है।
- आम नागरिकों की स्वच्छता संबंधी शिकायतों को 24 घंटे के अंदर नपिटान के लिये टोल फ्री नंबर 1100 दिया गया है। गूगल से सभी सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों को जोड़ा गया, ताकलोग अपने आसपास के शौचालय को फोन पर ही सर्च कर सकें।
- घर-घर से सूखे और गीले कचरे का कलेक्शन कर राज्य के सभी शहरों में प्रोसेसिंग प्लांट में 100 प्रतिशत कचरे की प्रोसेसिंग द्वारा कचरा मुक्त शहर बनाने की दशा में अभिनव कार्य किया गया है। साथ ही 150 से अधिक कचरे की खुली डंप साइट को खत्म कर वहाँ उद्यान और हरयिली का विकास किया गया है।
- राज्य में सभी नगरीय निकाय सेप्टिक टैंक के पानी का उपचार करते हैं। इस कारण छत्तीसगढ़ देश का स्वच्छतम राज्य के साथ ही सर्वप्रथम ओडीएफ प्लस प्लस राज्य बना है।
- नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के परंपरागत तरीके से कार्य करने वाले छत्तीसगढ़ का स्वच्छता मॉडल अब देश का सबसे प्रख्यात मॉडल बन गया है। छत्तीसगढ़ लगातार 3 बार देश का सबसे स्वच्छतम राज्य बना है।